शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय, रायपुर 492 001 (छत्तीसगढ़)

(पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर से संबद्ध)

बी.ए.–हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम

बी.ए. / बी.एस.सी. / बी.एच.एस.सी. / बी.कॉम

प्रथम, द्वितीय, एवं तृतीय वर्ष

(आधार पाठ्यक्रम) हिन्दी भाषा पाठ्यक्रम

शैक्षणिक सत्र् 2020–21

शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय

रायपुर 492001 (छत्तीसगढ़)

(पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर से संबद्ध)

हिन्दी विभाग

पाठ्यक्रम

शैक्षणिक सत्र 2020–21

बी.ए.—हिन्दी साहित्य

अंक विभाजन

बी. ए. – प्रथम वर्ष

प्रश्न पत्र			कुल अंक
प्रथम	– प्राचीन हिन्दी काव्य	–	75
द्वितीय	– हिन्दी कथा साहित्य	–	75

आधार पाठ्यक्रम

प्रथम	– हिन्दी भाषा	–	75

बी. ए. – द्वितीय वर्ष

प्रश्न पत्र			कुल अंक
प्रथम	– अर्वाचीन हिन्दी काव्य	–	75
द्वितीय	– हिन्दी निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ	–	75

आधार पाठ्यक्रम

प्रथम	– हिन्दी भाषा	–	75

बी. ए. – तृतीय वर्ष

प्रश्न पत्र			कुल अंक
प्रथम	– जनपदीय भाषा – साहित्य (छत्तीसगढ़ी)	–	75
द्वितीय	– हिन्दी भाषा – साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग विवेचन	–	75

आधार पाठ्यक्रम

प्रथम	– हिन्दी भाषा	–	75

शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय
रायपुर 492001 (छत्तीसगढ़)

बी.ए.–प्रथम वर्ष
हिन्दी साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र
प्राचीन हिन्दी काव्य

अधिकतम अंक–75

उद्देश्य एवं प्रस्तावना –

प्राचीन से तात्पर्य है – आधुनिक काल से पूर्व का काल। सही अर्थ में हिन्दी भाषा और साहित्य का विकास आदिकाल से शुरू होता है। इसमें धार्मिक तथा ऐतिहासिक दो प्रकार का साहित्य मिलता है, जो प्रबंध, मुक्तक, रासो, चरित, सुभाषित आदि विविध काव्यरूपों में अभिव्यंजित है। मध्यकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि के रूप में प्रतिष्ठापित किया जाता है।

मध्यकालीन काव्य में भक्तिकाव्य, जहाँ लोक जागरण को स्वर देने वाला है, वहीं रीतिकाल अपने लौकिक श्रृंगार के परिदृश्य में तत्कालीन सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक स्थितियों को बेलौस अभिव्यंजित करता है। अतः संस्कृति, विचार, मानवता, काव्यत्व, काव्यरूपता, लौकिकता–पारलौकिकता आदि दृष्टियों से इसका अध्ययन अत्यावश्यक है।

पाठ्य विषय –

1. कबीर – (कबीर – कांतिकुमार जैन) प्रारंभिक 50 साखियाँ
2. जायसी – (पद्मावत संक्षिप्त पद्मावत – श्यामसुंदर दास) नागमती वियोग वर्णन
3. सूर (भ्रमर गीत सार – सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) प्रारंभिक 25 पद
4. तुलसी – ''रामचरित मानस'' के सुंदरकाण्ड से प्रारंभिक 30 दोहे, चौपाई, छंद साहित्य
5. घनानन्द (घनानन्द – सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) प्रारंभिक 25 छन्द।

द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित तीन कवियों का अध्ययन किया जावेगा। जिसमें से किन्हीं दो पर लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे :–

1. विद्यापति,
2. रहीम,
3. रसखान।

अंक विभाजन

1.	3 व्याख्याएँ	—	30 प्रतिशत —	21 अंक
2.	2 आलोचनात्मक प्रश्न	—	30 प्रतिशत —	24 अंक
3.	5 लघुत्तरीय प्रश्न	—	20 प्रतिशत —	15 अंक
4.	15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	—	20 प्रतिशत —	15 अंक
				कुल 75 अंक

APPROVED BY THE BOARD OF STUDIES ON		
NAME	**IN THE CAPACITY OF**	**SIGNATURE**
डॉ. सविता मिश्रा	CHAIRMAN	29/12
डॉ. आभा तिवारी	SUBJECT EXPERT (VC NOMINEE)	
डॉ. अंजलि शर्मा	SUBJECT EXPERT (PRINCIPAL NOMINEE)	
श्रीमती चंद्रज्योति श्रीवास्तव	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
डॉ. कल्पना मिश्रा	MEMBER OF THE DEPARTMENT	29.12.20
कु. मिनेश्वरी साहू	MEMBER OF THE DEPARTMENT	

बी.ए.–प्रथम वर्ष
हिन्दी साहित्य
द्वितीय प्रश्न पत्र
हिन्दी कथा साहित्य

अधिकतम अंक–75

उद्देश्य एवं प्रस्तावना –

गद्य की प्रमुख विधाओं का इतना द्रुत विकास इनकी लोकप्रियता का प्रमाण प्रस्तुत करता है। इसमें आधुनिक जीवन अपनी विविध कमियों के साथ यथार्थ रूप में अभिव्यंजित हुआ है। जीवन की अनुभूतियाँ, संवेदनाओं तथा विविध परिस्थितियों के साक्षात्कार के लिए इनका अध्ययन सर्वथा अपेक्षित है।

पाठ्य विषय –

व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए एक उपन्यास एवं आठ कहानीकारों की एक–एक प्रतिनिधि कहानी का अध्ययन आवश्यक है।

उपन्यास	1.	गबन	–	प्रेमचंद
कहानी	1.	प्रेमचंद	–	कफन
	2.	जयशंकर प्रसाद	–	आकाशदीप
	3.	यशपाल	–	परदा
	4.	फणीश्वरनाथ रेणु	–	ठेस
	5.	मोहन राकेश	–	मलवे का मालिक
	6.	भीष्म साहनी	–	चीफ की दावत
	7.	गुलशेर खॉ शानी	–	जली हुई रस्सी
	8.	रांगेय रांघव	–	गदल

द्रुत पाठ के लिए निम्नांकित तीन कथाकारों का अध्ययन अपेक्षित है, जिनमें से किन्हीं दो पर लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जावेंगे :–

1. उपेन्द्रनाथ अश्क,
2. बाल शौरि रेड्डी,
3. शिवानी

अंक विभाजन

1.	3 व्याख्याएँ	–	30 प्रतिशत	– 21 अंक
2.	2 आलोचनात्मक प्रश्न	–	30 प्रतिशत	– 24 अंक
3.	5 लघुत्तरीय प्रश्न	–	20 प्रतिशत	– 15 अंक
4.	15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	–	20 प्रतिशत	– 15 अंक
			कुल	75 अंक

APPROVED BY THE BOARD OF STUDIES ON		
NAME	**IN THE CAPACITY OF**	**SIGNATURE**
डॉ. सविता मिश्रा	CHAIRMAN	29/12
डॉ. आभा तिवारी	SUBJECT EXPERT (VC NOMINEE)	
डॉ. अंजलि शर्मा	SUBJECT EXPERT (PRINCIPAL NOMINEE)	
श्रीमती चंद्रज्योति श्रीवास्तव	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
डॉ. कल्पना मिश्रा	MEMBER OF THE DEPARTMENT	29.12.20
कु. मिनेश्वरी साहू	MEMBER OF THE DEPARTMENT	

संशोधित पाठ्यक्रम

बी.ए./बी.एस.–सी./बी.कॉम./बी.एच.एस.–सी.
भाग – एक (आधार पाठ्यक्रम)
प्रश्न पत्र– प्रथम (हिन्दी भाषा)
(पेपर कोड – 0101)

पूर्णांक–75

नोट :–

1. प्रश्न पत्र 75 अंक का होगा।
2. प्रश्न पत्र अनिवार्य होगा।
3. इसके अंक श्रेणी निर्धारण के लिए जोड़े जायेंगे।
4. प्रत्येक इकाई के अंक समान होंगे।

पाठ्य विषय :–

इकाई – 1

क. पल्लवन, पत्राचार, अनुवाद, पारिभाषिक शब्दावली एवं हिन्दी में पदनाम

ख. ईदगाह (कहानी) – मुंशी प्रेमचंद

इकाई – 2

क. शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि ज्ञान–पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेकार्थी शब्द, समश्रुत शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द एवं मुहावरे–लोकोक्तियॉं

ख. भारत वंदना (कविता) – सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

इकाई–3

क. देवनागरी लिपि – नामकरण, स्वरूप एवं देवनागरी लिपि की विशेषताएँ, हिन्दी अपठित गद्यांश, संक्षेपण, हिन्दी में संक्षिप्तीकरण

ख. भोलाराम का जीव (व्यंग्य) – हरिशंकर परसाई

इकाई–4

क. कम्प्यूटर का परिचय एवं कम्प्यूटर में हिन्दी का अनुप्रयोग

ख. शिकागो से स्वामी विवेकानन्द का पत्र

इकाई–5

क. मानक हिन्दी भाषा का अर्थ, स्वरूप, विशेषताएँ, मानक, उपमानक, अमानक भाषा

ख. सामाजिक गतिशीलता – प्राचीन काल, मध्यकाल, आधुनिक काल

मूल्यांकन योजना :–

प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न पूछा जाएगा। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प होगा। प्रत्येक प्रश्न के 15 अंक होंगे। प्रत्येक प्रश्न के दो भाग 'क' और 'ख' होंगे एवं अंक क्रमशः 8 एवं 7 होंगे। प्रश्न–पत्र का पूर्णांक 75 निर्धारित है।

पाठ्यक्रम संशोधन का औचित्य :–

व्याकरण के बुनियादी ज्ञान, संप्रेषण, कौशल, सामाजिक संदेश एवं भाषायी दक्षता को ध्यान में रखते हुए यह पाठ्यक्रम प्रस्तावित है।

APPROVED BY THE BOARD OF STUDIES ON		
NAME	**IN THE CAPACITY OF**	**SIGNATURE**
डॉ. सविता मिश्रा	CHAIRMAN	29/12
डॉ. आभा तिवारी	SUBJECT EXPERT (VC NOMINEE)	
डॉ. अंजलि शर्मा	SUBJECT EXPERT (PRINCIPAL NOMINEE)	
श्रीमती चंद्रज्योति श्रीवास्तव	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
डॉ. कल्पना मिश्रा	MEMBER OF THE DEPARTMENT	29.12.'20
कु. मिनेश्वरी साहू	MEMBER OF THE DEPARTMENT	